# Class XI Session 2025-26
# Subject - Hindi Core
# Sample Question Paper - 6

**निर्धारित समय: 3 घंटे** **अधिकतम अंक: 80**

**सामान्य निर्देश:**

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए :-

- यह प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है।
- खंड - क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड - ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड - ग में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

## खंड क (अपठित बोध)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (10)** **[10]**

जब समाचार-पत्रों में सर्वसाधारण के लिए कोई सूचना प्रकाशित की जाती है, तो उसको विज्ञापन कहते हैं। यह सूचना नौकरियों से संबंधित हो सकती है, खाली मकान को किराए पर उठाने के संबंध में हो सकती है या किसी औषधि के प्रचार से संबंधित हो सकती है। कुछ लोग विज्ञापन के आलोचक हैं। वे इसे निरर्थक मानते हैं। उनका मानना है कि यदि कोई वस्तु यथार्थ रूप में अच्छी है, तो वह बिना किसी विज्ञापन के ही लोगों के बीच लोकप्रिय हो जाएगी, जबकि खराब वस्तुएँ विज्ञापन की सहायता पाकर भी भंडाफोड़ होने पर बहुत दिनों तक टिक नहीं पाएँगी, परंतु लोगों की यह सोच गलत है।

आज के युग में मानव का प्रचार-प्रसार का दायरा व्यापक हो चुका है। अतः विज्ञापनों का होना अनिवार्य हो जाता है। किसी अच्छी वस्तु की वास्तविकता से परिचय पाना आज के विशाल संसार में विज्ञापन के बिना नितांत असंभव है। विज्ञापन ही वह शक्तिशाली माध्यम है, जो हमारी जरूरत की वस्तुएँ प्रस्तुत करता है, उनकी माँग बढ़ाता है और अंततः हम उन्हें जुटाने चल पड़ते हैं। यदि कोई व्यक्ति या कंपनी किसी वस्तु का निर्माण करती है, उसे उत्पादक कहा जाता है। उन वस्तुओं और सेवाओं को खरीदने वाला उपभोक्ता कहलाता है। विज्ञापन इन दोनो को जोड़ने का कार्य करता है। वह उत्पादक को उपभोक्ता के संपर्क में लाता है तथा माँग और पूर्ति में संतुलन स्थापित करने का प्रयत्न करता है। पुराने जमाने में किसी वस्तु की अच्छाई का विज्ञापन मौखिक तरीके से होता था। काबुल का मेवा, कश्मीर की जरी का काम, दक्षिण भारत के मसाले आदि वस्तुओं की प्रसिद्धि मौखिक रूप से होती थी। उस समय आवश्यकता भी कम होती थी तथा लोग किसी वस्तु के अभाव की तीव्रता का अनुभव नहीं करते थे। आज समय तेजी का है। संचार-क्रांति ने जिंदगी को स्पीड दे दी है। मनुष्य की आवश्यकताएँ बढ़ती जा रही हैं, इसलिए विज्ञापन मानव-जीवन की अनिवार्यता बन गया है।

**(i) विज्ञापन का मुख्य उद्देश्य क्या है? (1)**

क) वस्तुओं का निर्माण करना

ख) वस्तुओं को खरीदना

ग) उत्पादक और उपभोक्ता को जोड़ना

घ) वस्तुओं का भंडारण करना

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**(ii) पुराने जमाने में वस्तुओं की अच्छाई का विज्ञापन कैसे होता था? (1)**

क) समाचार-पत्रों के माध्यम से

ख) मौखिक तरीके से

ग) टेलीविजन पर

घ) रेडियो पर

**(iii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए - (1)**

कथन (I) : विज्ञापन उत्पादक और उपभोक्ता के बीच संबंध स्थापित करता है।

कथन (II) : अच्छी वस्तुओं को लोकप्रिय बनाने के लिए विज्ञापन की आवश्यकता नहीं होती।

कथन (III) : आधुनिक युग में किसी वस्तु की वास्तविकता से परिचित होने के लिए विज्ञापन आवश्यक है।

कथन (IV) : पुराने समय में वस्तुओं का विज्ञापन मौखिक रूप से होता था।

**गद्यांश के अनुसार कौन-सा/से कथन सही हैं?**

क) केवल कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।

ख) केवल कथन (II), (III) और (IV) सही हैं।

ग) केवल कथन (I) और (II) सही हैं।

घ) केवल कथन (II) और (IV) सही हैं।

(iv) पुराने समय में काबुल के मेवे और कश्मीर की जरी का काम कैसे प्रसिद्ध होता था? (1)

(v) विज्ञापन क्यों अनिवार्य हो गया है? (2)

(vi) विज्ञापन किस प्रकार उत्पादक और उपभोक्ता को जोड़ने का कार्य करता है? (2)

(vii) आज के युग में विज्ञापन का क्या महत्व है? (2)

2. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: (8)** **[8]**

माना आज मशीनी युग में, समय बहुत महँगा है लेकिन
तुम थोड़ा अवकाश निकाली, तुमसे दो बातें करनी हैं।
उम्र बहुत बाकी है, लेकिन, उम्र बहुत छोटी भी तो है
एक स्वप्न मोती का है तो, एक स्वप्न रोटी भी तो है
घुटनों में माथा रखने से पोखर पार नहीं होता है:
सोया है विश्वास जगा लो, हम सबको नदिया तरनी है!
तुम थोड़ा अवकाश निकाली, तुम से दो बातें करनी हैं!
मन छोटा करने से मोटा काम नहीं छोटा होता है,
नेह-कोष को खुलकर बाँटो, कभी नहीं टोटा होता है,
आँसू वाला अर्थ न समझे, तो सब ज्ञान व्यर्थ जाएँगे:
मत सच का आभास दबा लो, शाश्वत आग नहीं मरनी है!
तुम थोड़ा अवकाश निकाली, तुमसे दो बातें करनी हैं।

i. **नीचे दिए गए कथनों में से सही विकल्प का चयन कीजिए: (1)**

**कथन:**

I. झुकना एक स्वाभाविक क्रिया है।

II. हम कभी-कभी जानबूझकर चीजें गिरा देते हैं क्योंकि हम झुकना भूल जाते हैं।

III. लोग केवल ईश्वर के सामने झुकते हैं।

IV. कुछ लोग इतने ज्यादा झुके रहते हैं कि वे सीधे खड़े होना भूल जाते हैं।

**विकल्प:**

क) कथन I, II, और IV सही हैं।

ख) केवल कथन III सही है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

ग) केवल कथन I और IV सही हैं।

घ) कथन I, II, और III सही हैं।

ii. **'घुटनों में माथा रखने से पोखर पार नहीं होता है' पंक्ति से कवि का क्या अभिप्राय है? (1)**

क) ध्यान और प्रार्थना से सब कुछ संभव है

ख) केवल चिंतन और निराशा से समस्याओं का समाधान नहीं होता

ग) मेहनत से ही सफलता मिलती है

घ) किसी भी कार्य के लिए सहायता की आवश्यकता होती है

iii. **नीचे दिए गए कॉलम 1 को कॉलम 2 से सुमेलित करें और सही विकल्प का चयन करें: (1)**

| कॉलम 1 | कॉलम 2 |
|---|---|
| I. किसी के सामने झुकना | 1. आदत |
| II. कभी झुकने में नाकामी | 2. अफसोस |
| III.जरूरत के समय झुकना | 3. इरादा |

क) I - (3), II - (2), III - (1)

ख) I - (1), II - (3), III - (2)

ग) I - (2), II - (1), III - (3)

घ) I - (1), II - (2), III - (3)

iv. **मशीनी युग में समय महँगा होने का क्या तात्पर्य है? (1)**

v. **'तुम थोड़ा अवकाश निकाली, तुमसे दो बातें करनी हैं' इस पंक्ति में कवि किससे और क्यों बात करना चाहते हैं? (2)**

vi. **मन और स्नेह के बारे में कवि क्या परामर्श दे रहा है और क्यों? (2)**

**खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर )**

3. **दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।** **[6]**

   i. **खेतों में तैयार फसल का अचानक बाढ़ में बह जाना** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

   ii. **भूकंप आने पर** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

   iii. **फुटबॉल का एक मैच** विषय पर रचनात्मक लेख लिखिए। **[6]**

4. देश में महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए और कुछ समाधान सुझाते हुए किसी समाचार-पत्र के सम्पादक के नाम एक पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आपके पिता जी जिस फैक्ट्री में काम करते थे, वह फैक्ट्री सीलिंग के कारण बंद हो गई है। ऐसे में आपके पिता जी सपरिवार गाँव जा रहे हैं। ऐसे में विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र माँगते हुए प्रधानाचार्य को प्रार्थना-पत्र लिखिए।

5. **अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[11]**

   i. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)**

      i. इंटरनेट पत्रकारिता से क्या आशय है? **[2]**

      ii. स्ववृत्त क्या है? उसमें क्या विशेषताएँ होनी चाहिए? **[2]**

      iii. कोष कितने प्रकार के होते हैं? चरित्र कोष को स्पष्ट कीजिए। **[2]**

      iv. हिंदी का पहला पत्र कौन-सा था? **[2]**

      v. राष्ट्रीय सूक्ष्म और मध्यम बोर्ड की चौथी बैठक की कार्यसूची बनाइए। **[2]**

   ii. i. पटकथा की संरचना कैसी होती है? **[3]**

**अथवा**

i. डायरी लेखन में व्यक्ति का व्यक्तित्व झलकता है। स्पष्ट कीजिए। **[3]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

**खंड- ग (आरोह भाग - 1 एवं वितान भाग-1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)**

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हे भूख! मत मचल
प्यास, तड़प मत
हे नींद! मत सता
क्रोध, मचा मत उथल-पुथल
हे मोह! पाश अपने ढील
लोभ, मत ललचा
हे मद! मत कर मदहोश
ईर्ष्या, जला मत
ओ चराचर! मत चूक अवसर
आई हूँ सन्देश लेकर चन्नमल्लिकार्जुन का

i. उपरोक्त पंक्तियों में कवयित्री ने किस पर बल दिया है?

क) इन्द्रिय नियंत्रण पर ख) मनुष्य पर
ग) पाशविक प्रवृति पर घ) पौरुष पर

ii. कवयित्री के अनुसार इन्द्रियों द्वारा सांसारिक कष्ट मिलने पर क्या बाधित होता है?

क) उसका क्रोध ख) उसकी भक्ति
ग) उसका अहंकार घ) उसकी नींद

iii. क्रोध के उथल-पुथल करने पर क्या होता है?

क) उसकी भूख मिट जाती है ख) उसकी नींद उड़ जाती है
ग) उसकी इच्छा मर जाती है घ) उसका विवेक नष्ट हो जाता है

iv. मनुष्य मोह में बंध कर क्या करने लगता है?

क) दूसरों का अहित ख) स्वयं का हित
ग) स्वयं का अहित घ) दूसरों का हित

v. काव्यांश में प्रयुक्त **चन्नमल्लिकार्जुन** किसका पर्याय है?

क) इंद्र का ख) विष्णु का
ग) शिव का घ) ब्रह्मा का

7. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)** **[6]**

i. कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है। इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं? **[3]**

ii. चंपा काले-काले अच्छर नहीं चीन्हती कविता में चंपा ने कवि को झूठा क्यों कहा? **[3]**

iii. **निम्नलिखित पंक्ति के काव्य-सौंदर्य को उद्घाटित कीजिए-** **[3]**
ठंडी होती दिनचर्या में
जीवन की गर्माहट

8. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)** **[4]**

i. कवि ने किस आशय से मेहनत की लूट, पुलिस की मार, गद्दारी-लोभ को सबसे खतरनाक नहीं माना। **[2]**

ii. भाव व शिल्प-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए- **[2]**
दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से विलोयी
दधि मथि घृत काढ़ि लियो, डारि दयी छोयी

iii. **आशय स्पष्ट करें:-** **[2]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

तेरा निजाम है सिल दे जुबान शायर की,
ये एहतियात जरूरी है इस बहर के लिए।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

कभी ऐसा भी होता कि जब मैं किसी जलसे में पहुँचता, तो मेरा स्वागत "भारत माता की जय!" इस नारे से ज़ोर के साथ किया जाता। मैं लोगों से अचानक पूछ बैठता कि इस नारे से उनका क्या मतलब है? यह भारत माता कौन है, जिसकी वे जय चाहते हैं। मेरे सवाल से उन्हें कुतूहल और ताज्जुब होता और कुछ जवाब न बन पड़ने पर वे एक-दूसरे की तरफ़ या मेरी तरफ़ देखने लग जाते। मैं सवाल करता ही रहता। आखिर एक हट्टे-कट्टे जाट ने, जो अनगिनत पीढ़ियों से किसानी करता आया था, जवाब दिया कि भारत माता से उनका मतलब धरती से है। कौन-सी धरती? खास उनके गाँव की धरती या ज़िले की या सूबे की या सारे हिंदुस्तान की धरती से उनका मतलब है? इस तरह सवाल-जवाब चलते रहते, यहाँ तक कि वे ऊबकर मुझसे कहने लगते कि मैं ही बताऊँ। मैं इसकी कोशिश करता और बताता कि हिंदुस्तान वह सब कुछ है, जिसे उन्होंने समझ रखा है, लेकिन वह इससे भी बहुत ज़्यादा है। हिंदुस्तान के नदी और पहाड़, जंगल और खेत, जो हमें अन्न देते हैं, ये सभी हमें अज़ीज़ हैं। लेकिन आखिरकार जिनकी गिनती है, वे हैं हिंदुस्तान के लोग, उनके और मेरे जैसे लोग, जो इस सारे देश में फैले हुए हैं। भारत माता दरअसल यही करोड़ों लोग हैं, और "भारत माता की जय!" से मतलब हुआ इन लोगों की जय का। मैं उनसे कहता कि तुम इस भारत माता के अंश हो, एक तरह से तुम ही भारत माता हो, और जैसे-जैसे ये विचार उनके मन में बैठते, उनकी आँखों में चमक आ जाती, इस तरह, मानो उन्होंने कोई बड़ी खोज कर ली हो।

i. लोग जलसे में नेहरू जी का स्वागत क्या कहकर करते?

क) भारत माता कौन है　　ख) कौन-सी धरती

ग) धरती से उनका मतलब　　घ) भारत माता की जय

ii. यह भारत माता कौन है? लेखक के द्वारा ग्रामीणों से यह प्रश्न पूछने पर उनकी क्या प्रतिक्रिया होती?

क) वे जवाब देते　　ख) वे परेशान हो जाते

ग) वे हंसने लगते　　घ) वे हैरान हो जाते

iii. **भारतमाता से उनका मतलब धरती से है**- किसने किससे कहा?

क) नेहरू जी से नेता ने　　ख) जाट ने नेहरू जी से

ग) नेता ने नेहरू जी से　　घ) नेहरू जी ने जाट से

iv. लेखक के अनुसार भारतमाता दरअसल क्या है?

क) करोड़ देशवासी　　ख) धरती का नाम

ग) देश का नाम　　घ) मातृभूमि का नाम

v. भारत माता की जय के नारे के माध्यम से लेखक वास्तव में किसकी जय चाहते थे?

क) भारत के सभी लोगों की　　ख) लेखक की

ग) भारत के सैनिकों की　　घ) नेताओं की

10. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)** **[6]**

i. **अपू के साथ ढाई साल** पाठ में किन दो दृश्यों में दर्शक यह पहचान नहीं पाते कि उनकी शूटिंग में कोई तरकीब अपनाई गई है? **[3]**

ii. जामुन का पेड़ पाठ में दबा हुआ आदमी एक कवि है, यह बात कैसे पता चली और इस जानकारी का फाइल की यात्रा पर क्या असर पड़ा? **[3]**

iii. रजनी पाठ में अमित की उदासी का कारण बताइए। **[3]**

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)** **[4]**

i. मियाँ नसीरुददीन के अनुसार सच्ची तालीम क्या है? **[2]**

ii. विदाई-संभाषण पाठ का प्रतिपाद्य स्पष्ट करें। **[2]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

iii. गलता लोहा पाठ में मोहन के लखनऊ आने के बाद के समय को लेखक ने उसके **जीवन का एक नया अध्याय** क्यों कहा है? **[2]**

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (5 X 2 = 10 अंक)** **[10]**

i. **संगीत का क्षेत्र ही विस्तीर्ण है। वहाँ अब तक अलक्षित, असंशोधित और अदृष्टिपूर्व ऐसा खूब बड़ा प्रांत है तथापि बड़े जोश से इसकी खोज और उपयोग चित्रपट के लोग करते चले आ रहे हैं-** इस कथन को वर्तमान फ़िल्मी संगीत के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। **[5]**

ii. राजस्थान में पानी के कौन-कौन से रूप माने जाते हैं? **[5]**

iii. **आलो-आँधारि** पाठ में तातुश के घर में रहने के बाद बेबी के बच्चों में क्या परिवर्तन आया और क्यों? **[5]**

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

# Solution

**खंड क (अपठित बोध)**

1. (i) ग) उत्पादक और उपभोक्ता को जोड़ना
   (ii) ख) मौखिक तरीके से
   (iii) क) केवल कथन (I), (III) और (IV) सही हैं।
   (iv) पुराने समय में काबुल के मेवे और कश्मीर की जरी का काम मौखिक रूप से प्रसिद्ध होता था।
   (v) आज के युग में मानव का प्रचार-प्रसार का दायरा व्यापक हो चुका है और किसी अच्छी वस्तु की वास्तविकता से परिचय पाना विशाल संसार में विज्ञापन के बिना नितांत असंभव है, इसलिए विज्ञापन अनिवार्य हो गया है।
   (vi) विज्ञापन उत्पादक को उपभोक्ता के संपर्क में लाता है तथा माँग और पूर्ति में संतुलन स्थापित करने का प्रयत्न करता है।
   (vii) आज के युग में विज्ञापन आवश्यकताओं को प्रस्तुत करता है, उनकी माँग बढ़ाता है और लोगों को उन्हें जुटाने के लिए प्रेरित करता है।

2. i. क) कथन I, II, और IV सही हैं।
   ii. ख) केवल चिंतन और निराशा से समस्याओं का समाधान नहीं होता
   iii. क) I - (3), II - (2), III - (1)
   iv. इस युग में व्यक्ति समय के साथ बँध गया है। उसे हर घंटे के हिसाब से मजदूरी मिलती है।
   v. 'तुम थोड़ा अवकाश निकाली, तुमसे दो बातें करनी हैं' में कवि अपने साथी या प्रियजन से बात करना चाहते हैं, ताकि वे जीवन की सच्चाई, संघर्षों, और समय की महत्ता के बारे में चर्चा कर सकें। कवि चाहता है कि व्यक्ति जीवन के महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान दें और उनसे निपटने के लिए समय निकालें।
   vi. मन के बारे में कवि का मानना है कि मनुष्य को हिम्मत रखनी चाहिए। हौसला खोने से बाधा खत्म नहीं होती। स्नेह भी बाँटने से कभी कम नहीं होता। कवि मनुष्य को मानवता के गुणों से युक्त होने के लिए कह रहा है।

**खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर )**

3. दिए गए तीन विषयों में से किसी एक विषय पर आधारित लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेखन लिखिए।

(i) जब खेतों में तैयार फसल का अचानक बाढ़ में बह जाता है, तो यह खेती के लिए एक बड़ी समस्या बन जाती है। बाढ़ वर्षा के कारण पानी की अत्यधिक आपूर्ति को संकेत करती है और फसल को नुकसान पहुंचाती है। यह खेतों में उगाई गई फसल को पुरी तरह नष्ट कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप किसानों को आर्थिक नुकसान होता है। इस अवस्था में, किसानों को तत्परता के साथ काम करने की आवश्यकता होती है। वे जल्दी से उचित उपायों को ढूंढ़कर अपनी फसल की सुरक्षा करने का प्रयास करते हैं। वैज्ञानिक तथा कृषि निदेशालय से मदद लेते हुए, वे द्रुत उपयुक्त विधियों का उपयोग करके अधिक नुकसान से बचने का प्रयास कर सकते हैं। इसके अलावा, किसानों को अनुभवी सलाहकारों और विपणन संगठनों से मदद मिल सकती है, जो उन्हें फसल सुरक्षा के लिए सही बीमा योजनाओं और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी और सहायता प्रदान कर सकते हैं।

(ii) **"भूकंप आने पर"**

साधारण शब्दों में भूकंप का अर्थ पृथ्वी के कंपन से है। पृथ्वी के अंतर्जात तथा बहिर्जात बलों के कारण ऊर्जा निकलती है, जिससे तरंगें पैदा होती हैं, जो हर दिशा में फैलकर कंपन पैदा करती हैं। यही कंपन 'भूकंप' कहलाता है। भूकंपीय तरंगों के उत्पन्न होने के स्थान को भूकंप मूल तथा जिस स्थान पर सबसे पहले इन तरंगों का अनुभव होता है उसे भूकंप केंद्र कहते हैं। भूकंप केंद्र, भूकंप मूल के ठीक ऊपर होता है। वास्तव में भूकंप एक प्राकृतिक आपदा है, जो बेहद खतरनाक होता है। भूकंप कभी-कभी बहुत ही धीमी गति से आता है, जिसका सिर्फ हमें आभास होता है कि भूकंप की कम्पन सी उत्पन होती है। लेकिन कभी-कभी भूकंप अचानक बहुत तेजी से आता है, जिससे काफ़ी मात्रा में नुकसान होता है। अभी कुछ वर्षों पहले गढ़वाल और महाराष्ट्र में भूकंप आने से लोगों के जीवन पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। भूकंप के कम्पन उत्पन्न होने से लोगों के मकान गिर गए। भूकंप की चपेट में आकर व दबकर लाखों जीव-जंतुओ की मौत हो गई। महाराष्ट्र में आए हुए भूकंप के कारण मकान और पेड़-पौधे कंपन के कारण गिरते हैं और उसकी चपेट में काफ़ी लोग दब कर घायल हो जाते हैं और कुछ लोगों की मौत हो जाती है। जो लोग घायल होकर ठीक होते, वह पैर से, तो कहीं हाथ से लाचार हो जाते हैं।

भूकंप आने से हमारे जीवन में बहुत अधिक दुष्प्रभाव पड़ता है, भूकंप आने से हमारा जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। भूकंप को रोकना बेहद मुश्किल है, लेकिन जिस कारण से भूकंप आता है, उन कारणों पर रोक लगा कर कुछ हद तक प्राकृतिक आपदा को कम किया जा सकता है। क्योंकि भूकंप के आने से बहुत सी विकट समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

**भूकंप से बचाव कैसे करें?**

वर्तमान में भूकंप आने का पहले से अनुमान नहीं लगाया जा सकता। फिर भी कुछ उपायों को अपनाकर इससे होने वाली जनहानि को कम किया जा सकता है।

1. भवन निर्माण में भूकंपरोधी तकनीक का प्रयोग करें ताकि हल्के झटकों में घर सुरक्षित रहे।
2. घर के अंदर होने की दशा में भूकंप आने पर किसी मजबूत मेज या बेड के नीचे शरण लें तथा साथ में आपातकालीन किट को रखें।
3. खुले क्षेत्रों में रहने पर पेड़ों, खंभों, पुलों, इमारतों इत्यादि से दूर रहें।
4. चलते वाहन में होने पर वाहन को रोककर उसमें अंदर बैठे रहें तथा उसे पेड़ों, इमारतों, तारों, इत्यादि से दूर रखें।
5. आपातकालीन नंबरों को याद रखें तथा जरूरत पड़ने पर उनसे तुरंत संपर्क करें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

भूकंप का भले ही पूर्वानुमान न लगाया जा सकता हो तथा इसे रोका भी नहीं जा सकता, पर उपरोक्त उपायों को अपनाकर हम इसके प्रभाव को कम अवश्य कर सकते हैं।

(iii) फुटबॉल का एक मैच हमेशा रोमांच और उत्साह से भरा होता है। यह खेल न केवल खिलाड़ियों के लिए, बल्कि दर्शकों के लिए भी एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करता है।

कल्पना कीजिए, एक विशाल स्टेडियम में हजारों दर्शक बैठे हैं, सभी की निगाहें मैदान पर हैं। खेल शुरू होने से पहले ही माहौल में एक अजीब सी ऊर्जा महसूस होती है। जैसे ही रेफरी सीटी बजाता है, खेल की शुरुआत होती है और दर्शकों का उत्साह चरम पर पहुँच जाता है।

दोनों टीमें मैदान में उतरती हैं, हर खिलाड़ी अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार होता है। गेंद को पास करने, ड्रिबल करने और गोल करने की कोशिश में खिलाड़ी अपनी पूरी ताकत झोंक देते हैं। हर पास, हर किक और हर गोल के साथ दर्शकों की धड़कनें तेज हो जाती हैं।

पहले हाफ में, टीम A ने एक शानदार गोल किया। यह गोल टीम के स्टार खिलाड़ी ने किया, जिसने अपनी तेज गति और अद्भुत कौशल से विरोधी टीम के डिफेंडरों को मात दी। दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्टेडियम को गूंजा दिया।

दूसरे हाफ में, टीम B ने भी जोरदार वापसी की। उन्होंने एक के बाद एक दो गोल किए, जिससे मैच का रोमांच और बढ़ गया। अब दोनों टीमें बराबरी पर थीं और खेल का अंत नजदीक था।

अंतिम मिनटों में, टीम A ने एक और गोल करने की कोशिश की, लेकिन टीम B के गोलकीपर ने एक अद्भुत बचाव किया। खेल का अंत 2-2 की बराबरी पर हुआ, और मैच को अतिरिक्त समय में ले जाया गया।

अतिरिक्त समय में, दोनों टीमों ने अपनी पूरी ताकत लगाई, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। अंततः, मैच का निर्णय पेनाल्टी शूटआउट से हुआ। पेनाल्टी शूटआउट में, टीम A ने अपनी नर्वस को काबू में रखते हुए जीत हासिल की।

इस प्रकार, फुटबॉल का यह मैच न केवल खिलाड़ियों के लिए, बल्कि दर्शकों के लिए भी एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया। यह खेल हमें सिखाता है कि जीत और हार जीवन का हिस्सा हैं, लेकिन असली मजा खेल के रोमांच और उत्साह में है।

4. 2, राज नगर
पालम
सेवा में,
संपादक महोदय
दैनिक नवज्योति
राजनगर, पालम

**विषय :** देश में महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए और कुछ समाधान सुझाते हुए पत्र।

महोदय,

मैं आपको इस पत्र के माध्यम से आवाहन करना चाहता हूँ कि देश में महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हमें आपकी सहायता और सलाह की आवश्यकता है। हमें गर्व होना चाहिए कि हम एक विकसित और प्रगतिशील देश हैं, लेकिन यह सच है कि महिलाओं को अपनी सुरक्षा के मामले में अभी भी जीवन की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

मैं आपसे यह प्रार्थना करता हूँ कि आप अपने महत्वपूर्ण स्थान पर अपनी आवश्यकता और सामर्थ्य के अनुसार महिलाओं की सुरक्षा के बारे में समाधान सुझाएँ, उचित कार्रवाई करें और इस महत्वपूर्ण मुद्दे को संवेदनशीलता के साथ प्रगट करें। आपके नेतृत्व में हमारा देश और समाज सुरक्षित और समृद्ध हो सकता है।

भवदीय
रमेश

अथवा

प्रधानाचार्य जी
कैनेडी पब्लिक स्कूल
पालम कॉलोनी, दिल्ली।
27 फरवरी, 2019

**विषय-विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र लेने हेतु प्रार्थना पत्र।**

मान्यवर,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की नौवीं कक्षा का छात्र हूँ। मेरे पिता जी यहीं पास के औद्योगिक क्षेत्र में एक फैक्ट्री में काम करते थे। सीलिंग के कारण उनकी फैक्ट्री बंद हो गई है, जिसके कारण वे बेरोज़गार हो गए हैं। अतः उन्होंने सपरिवार गाँव जाने का निश्चय किया है। इस स्थिति में अब इस विद्यालय में अपनी पढ़ाई निरंतर कर पाना मेरे लिए संभव नही है। मुझे अब गाँव के ही किसी विद्यालय में प्रवेश लेना होगा। अन्य विद्यालय में प्रवेश लेने हेतु मुझे 'विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र' लेना आवश्यक है। अन्यथा मैं अन्य विद्यालय में आसानी से प्रवेश नहीं ले पाऊंगा।

अतः आपसे प्रार्थना है कि मुझे विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र प्रदान करें ताकि मैं दूसरे स्कूल में प्रवेश ले सकूँ।

सधन्यवाद।
आपका आज्ञाकारी शिष्य,
विनय कुमार
कक्षा - IX 'अ'
अनु. - 12

5. अभिव्यक्ति और माध्यम पाठ्यपुस्तक के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

(i) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिये: (2 X 4 = 8)

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

i. इंटरनेट पर समाचारों का प्रकाशन या खबरों का आदान-प्रदान ही इंटरनेट पत्रकारिता कहते हैं। इसे ऑनलाइन पत्रकारिता, साइबर पत्रकारिता या वेब पत्रकारिता भी कहते हैं।

ii. किसी व्यक्ति विशेष द्वारा अपने बारे में सूचनाओं का सिलसिलेवार संकलन ही स्ववृत्त कहलाता है। इसमें व्यक्ति अपने व्यक्तित्व, ज्ञान और अनुभव के सबल पक्ष को इस प्रकार प्रस्तुत्त करता है जो नियोक्ता के मन में उम्मीदवार के प्रति अच्छी व सकारात्मक छबि प्रस्तुत करता है।

iii. कोष तीन प्रकार के होते हैं- विश्वज्ञान कोष, चरित्र कोष, साहित्य कोष।
**चरित्र कोष:** चरित्र कोष को व्यक्तिकोष भी कहते हैं। इसमें हमें विचारकों, साहित्यकारों, वैज्ञानिकों आदि के संक्षिप्त परिचय और उपलब्धियों की जानकारी मिलती है। इसमें जानकारियों का क्रमबद्ध प्रस्तुतीकरण होता है।

iv. हिंदी का पहला पत्र 'उदंत मार्तण्ड' सन् 1826 में कलकत्ता से पंडित जुगल किशोर शुक्ल के संपादन में प्रकाशित हुआ।

v.

12 मार्च 20xx को विज्ञान भवन एनैक्स, नई दिल्ली में होने वाली राष्ट्रीय सूक्ष्म और मध्यम उद्यम बोर्ड (एन. बी. एम. एस. ई.) की चौथी बैठक की कार्यसूची

1. 13 दिसंबर, 20xx को हुई राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम बोर्ड की तीसरी बैठक के कार्यवृत की पुष्टि
2. 13 दिसंबर, 20xx को हुई राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम बोर्ड की तीसरी बैठक में लिए गए निर्णयों/सुझावों/सिफारिशों पर की गई अनुवर्ती कार्यवाही
3. बोर्ड द्वारा विचारार्थ सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों संबंधी विचारणीय मुद्दे : (i) राज्य सरकारों द्वारा ई. डी. आई की स्थापना
4. अध्यक्ष की अनुमति से कोई अन्य मुद्दा।

विनय राठौर
(_____)
सचिव
राष्ट्रीय सूक्ष्म और मध्यम बोर्ड

(ii) i. फिल्म तथा दूरदर्शन की पटकथा में पात्र-चरित्र, नायक-प्रतिनायक, घटनास्थल, हश्य, कहानी का क्रमिकविकास, वंद्व, समाधान आदि सभी कुछ होता है। इसमें छोटे-छोटे दश्य, असीमित घटनास्थल होते हैं। इसकी कथा फ़्लैशबैक अथवा फ़्लैश फ़ॉरवर्ड तकनीक से किसी भी प्रकार से प्रस्तुत की जा सकती है। फ़्लैश बैक से अतीत में हो चुकी और फ़्लैश फ़ारवर्ड से भविष्य में होने वाली घटनाओं को प्रस्तुत किया जाता है। इसमें एक ही समय में अलग-अलग स्थानों पर घटित घटनाओं को भी दिखाया जा सकता है।

**अथवा**

i. डायरी लेखन में व्यक्ति का व्यक्तित्व झलकता है, क्योंकि लेखक इसमें अपने मन की बातों का अंकन करता है। डायरी लेखक के मन का केंद्र-बिन्दु होता है, जिसमें वह खुशी-गम, अच्छे-बुरे का लेखन करता है। डायरी लिखने से व्यक्ति के अन्दर अभिव्यक्त करने का हुनर भी आने लगता है। तनाव भी कम होता है और याददाश्त भी दुरुस्त होती है। लिखते-लिखते भाषा-शैली व शब्दावली भी निखरने लगती है। लिखने की आदत हमारे अंदर धैर्य के गुण को जन्म देती है। जब हम लिखते हैं तो मन में विचार ठहरना सीखते हैं। यदि अन्दर कोई गुस्सा या कुंठा होती है, तो कागज़ तक आते-आते काफ़ी हद तक शान्त होने लगती है।

**खंड- ग (आरोह भाग - 1 एवं वितान भाग-1 पाठ्यपुस्तकों के आधार पर)**

6. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

हे भूख! मत मचल
प्यास, तड़प मत
हे नींद! मत सता
क्रोध, मचा मत उथल-पुथल
हे मोह! पाश अपने ढील
लोभ, मत ललचा
हे मद! मत कर मदहोश
ईर्ष्या, जला मत
ओ चराचर! मत चूक अवसर
आई हूँ सन्देश लेकर चन्नमल्लिकार्जुन का

(i) **(क)** इन्द्रिय नियंत्रण पर
**व्याख्या:**
इन्द्रिय नियंत्रण पर

(ii) **(ख)** उसकी भक्ति
**व्याख्या:**
उसकी भक्ति

(iii) **(घ)** उसका विवेक नष्ट हो जाता है
**व्याख्या:**
उसका विवेक नष्ट हो जाता है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iv) **(क)** दूसरों का अहित
**व्याख्या:**
दूसरों का अहित

(v) **(ग)** शिव का
**व्याख्या:**
शिव का

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)

(i) कबीर ने एक ही ईश्वर के समर्थन में अनेक तर्क दिए हैं, जो निम्नलिखित हैं-

i. संसार में सब जगह एक ही पवन व जल है।
ii. सभी में एक ही ईश्वरीय ज्योति है।
iii. एक ही मिट्टी से सभी बर्तनों का निर्माण होता है।
iv. एक ही परमात्मा का अस्तित्व सभी प्राणों में है।
v. प्रत्येक कण में ईश्वर है।
vi. दुनिया के हर जीव में ईश्वर व्याप्त है।

(ii) जब कवि ने उसके विवाह तथा पति के कलकत्ता जाने की बात कही तो वह भड़क उठी। उसने कहा कि तुम पढ़-लिखकर भी बहुत झूठे हो। पहले तो वह विवाह नहीं करेगी। दूसरे, यदि शादी हो भी गई तो वह अपने पति को साथ रखेगी। केवल पढ़ने के लिए इतनी बड़ी कहानी की जरूरत नहीं है। अतः उसने कवि को झूठा कहा।

(iii) कवयित्री ने दिनचर्या में आई नीरसता को दूर करने के लिए गर्माहट' शब्द का लाक्षणिक प्रयोग किया है। छंदमुक्त पंक्तियाँ हैं। शब्द प्रतीकात्मक हैं। भाषा अत्यंत सरल एवं सहज है।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)

(i) कवि ने मेहनत की लूट, पुलिस की मार, गद्दारी लोभ को सबसे खतरनाक नहीं माना क्योंकि इन क्रियाओं में व्यक्ति की प्रतिरोधक क्षमता बनी रहती है, वह पूरी तरह से नष्ट नहीं होती। तीनों में आशा व उम्मीद की किरण बची रहती है। इनका प्रभाव सीमित होता है। इन स्थितियों को बदला जा सकता है। जिस समाज में पारस्परिक सौहाद्र, प्रेम, दया, करुणा आदि भावनाएँ समाप्त हो जाएंगी, वह मृत हो जाएगा।

(ii)
- **भाव सौंदर्य**— इस पद में मीरा ने भक्ति की महिमा को बड़े ही सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया है। इस पद में भक्ति को मक्खन के समान महत्त्वपूर्ण तथा सांसारिक सुख को छाछ के समान माना गया है। इन काव्य पंक्तियों में मीरा संसार के सार तत्व को ग्रहण करने और व्यर्थ की बातों को छोड़ देने के लिए कहती है।
- **शिल्प सौंदर्य**- अन्योक्ति अलंकार है।
  - यहाँ दही जीवन का प्रतीक है।
  - प्रतीकात्मकता है- 'घृत' भक्ति का, 'छाछ' असार संसार का प्रतीक है।
  - ब्रजभाषा है।
  - गेयता है।
  - तत्सम शब्दावली भी है।

(iii) शायर कहता है कि शासकवर्ग ने डर के कारण उसकी अभिव्यक्त करने की शक्ति पर रोक लगा दी है। शासकवर्ग के लिए यह करना आवश्यक है क्योंकि यदि शायर ने सच बोल दिया, तो शासक वर्ग की पोल खुल जाएगी। अतः एक शायर को चाहिए कि वह शायरी करते समय शब्दों के चयन में ध्यान दे। अगर वह ऐसा नहीं करेगा, तो उसे बोलने नहीं दिया जाएगा। इस तरह उसकी बोलने की आज़ादी छिन ली जाएगी।

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

कभी ऐसा भी होता कि जब मैं किसी जलसे में पहुँचता, तो मेरा स्वागत "भारत माता की जय!" इस नारे से ज़ोर के साथ किया जाता। मैं लोगों से अचानक पूछ बैठता कि इस नारे से उनका क्या मतलब है? यह भारत माता कौन है, जिसकी वे जय चाहते हैं। मेरे सवाल से उन्हें कुतूहल और ताज्जुब होता और कुछ जवाब न बन पड़ने पर वे एक-दूसरे की तरफ़ या मेरी तरफ़ देखने लग जाते। मैं सवाल करता ही रहता। आखिर एक हट्टे-कट्टे जाट ने, जो अनगिनत पीढ़ियों से किसानी करता आया था, जवाब दिया कि भारत माता से उनका मतलब धरती से है। कौन-सी धरती? खास उनके गाँव की धरती या ज़िले की या सूबे की या सारे हिंदुस्तान की धरती से उनका मतलब है? इस तरह सवाल-जवाब चलते रहते, यहाँ तक कि वे ऊबकर मुझसे कहने लगते कि मैं ही बताऊँ। मैं इसकी कोशिश करता और बताता कि हिंदुस्तान वह सब कुछ है, जिसे उन्होंने समझ रखा है, लेकिन वह इससे भी बहुत ज़्यादा है। हिंदुस्तान के नदी और पहाड़, जंगल और खेत, जो हमें अन्न देते हैं, ये सभी हमें अज़ीज़ हैं। लेकिन आखिरकार जिनकी गिनती है, वे हैं हिंदुस्तान के लोग, उनके और मेरे जैसे लोग, जो इस सारे देश में फैले हुए हैं। भारत माता दरअसल यही करोड़ों लोग हैं, और "भारत माता की जय!" से मतलब हुआ इन लोगों की जय का। मैं उनसे कहता कि तुम इस भारत माता के अंश हो, एक तरह से तुम ही भारत माता हो, और जैसे-जैसे ये विचार उनके मन में बैठते, उनकी आँखों में चमक आ जाती, इस तरह, मानो उन्होंने कोई बड़ी खोज कर ली हो।

(i) **(घ)** भारत माता की जय
**व्याख्या:**
भारत माता की जय

(ii) **(घ)** वे हैरान हो जाते
**व्याख्या:**
वे हैरान हो जाते

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(iii) **(घ)** नेहरू जी ने जाट से
**व्याख्या:**
नेहरू जी ने जाट से

(iv) **(ख)** धरती का नाम
**व्याख्या:**
धरती का नाम

(v) **(क)** भारत के सभी लोगों की
**व्याख्या:**
भारत के सभी लोगों की

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (3 X 2 = 6 अंक)

(i) इन दो दृश्यों में दर्शक यह पहचान नहीं पाते कि शूटिंग में कोई तरकीब अपनाई गई है-

i. जब लेखक ने रेलगाड़ी के सीन में तीन रेलगाड़ियों का इस्तेमाल किया। इस सीन में दर्शक यह पहचानने में असमर्थ थे कि इस दृश्य में एक नहीं तीन रेलगाड़ियों का इस्तेमाल था।

ii. श्रीनिवास और भूलो नामक कुत्ता के पात्र वाले दृश्यों में दर्शक यह पहचान नहीं पाते की उनकी शूटिंग में कोई तरकीब अपनाई गयी हैं। इस फ़िल्म में एक कुत्ता था, जिसका नाम भूलो था। उसके साथ पहले दृश्य किया गया पर जब कुछ समय पश्चात दोबारा शूंटिग की गई तो पता चला कि पहला कुत्ता मर गया है। आखिरकार दूसरी शूटिंग के लिए उसके जैसे ही दूसरे कुत्ते के साथ शूटिंग की गई।

(ii) सेक्रेटेरियट के लॉन में खड़ा जामुन का पेड़ रात की आँधी में गिर गया। इसके नीचे एक आदमी दब गया। उसे बचाने के लिए एक सरकारी फाइल बनी। वह एक विभाग से दूसरे विभाग में जाने लगी। माली ने उस आदमी को हौसला देते हुए उसे खिचड़ी खिलाई और कहा कि उसका मामला ऊपर तक पहुँच गया है। तब उस व्यक्ति ने आह भरते हुए गालिब का शेर कहा-
"ये तो माना कि तगापुल न करोगे लेकिन
खाक हो जाएँगे हम तुमको खबर होने तक!"
माली उसे पूछता है कि क्या आप शायर हैं? उसने 'हाँ' में सिर हिलाया। फिर माली ने यह बात क्लर्कों को बताई। इस प्रकार यह बात सारे शहर में फैल गई। सेक्रेटेरियट में शहर-भर के कवि व शायर इकट्ठे हो गए। फाइल कल्चर डिपार्टमेंट को भेजी गई। वहाँ का सचिव उस व्यक्ति का इंटरव्यू लेने आया और उसे अकादमी का सदस्य बना दिया किंतु यह कहकर कि पेड़ के नीचे से निकालने का काम उसके विभाग का नहीं है वह फाइल वन विभाग को भेज देता है। इससे पेड़ हटाने या काटने की अनुमति मिलने का रास्ता और लंबा हो गया है।

(iii) अमित एक होनहार छात्र था। अर्द्ध वार्षिक परीक्षा तक उसे गणित में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए थे। वार्षिक परीक्षा में उसका गणित का पेपर बहुत अच्छा हुआ था। उसे पूरी उम्मीद थी कि 95 प्रतिशत से कम नहीं मिल सकते पर उसे 72 प्रतिशत अंक मिले थे। उसके मैथ्स टीचर ने उससे अनेक बार उनके पास ट्यूशन लगवाने की बात कही थी, पर उसे इसकी आवश्यकता महसूस न हुई। लेकिन आज परिणाम देखकर अमित बेहद दुखी और परेशान था। उसकी मेहनत किसी काम न आ सकी थी इसलिए वह उदास था।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (2 X 2 = 4 अंक)

(i) मियाँ नसीरुद्दीन के अनुसार सच्ची तालीम व्यावहारिक प्रशिक्षण है। यदि वे बर्तन माँजना, भट्ठी सुलगाना,रोटी बनाना आदि नहीं सीखते तो वे अच्छे नानबाई नहीं बन पाते। केवल कागजी या जबानी बातों से काम नहीं सीखा जाता है। शिक्षा को अपनाना अधिक महत्वपूर्ण है।

(ii) **विदाई-संभाषण** पाठ वायसराय कर्जन जो 1899-1904 व 1904-1905 तक दो बार वायसराय रहे, के शासन में भारतीयों की स्थिति का खुलासा करता है। यह अध्याय **शिवशंभु के चिट्ठे** का अंश है। कर्ज़न के शासनकाल में विकास के बहुत कार्य हुए, नए-नए आयोग बनाए गए, किंतु उन सबका उद्देश्य शासन में गोरों का वर्चस्व स्थापित करना तथा इस देश के संसाधनों का अंग्रेजों के हित में सर्वाधिक उपयोग करना था। कर्ज़न ने हर स्तर पर अंग्रेजों का वर्चस्व स्थापित करने की चेष्टा की। वह सरकारी निरंकुशता का पक्षधर था। लिहाजा प्रेस की स्वतंत्रता तक पर उसने प्रतिबंध लगा दिया। उन्होंने अपने शासन-काल में हर तरह की सुविधाओं का आनंद उठाया था। अंततः कौंसिल में मनपसंद अंग्रेज सदस्य नियुक्त करवाने के मुद्दे पर उसे देश-विदेश-दोनों जगहों पर नीचा देखना पड़ा। क्षुब्ध होकर उसने इस्तीफा दे दिया और वापस इंग्लैंड चला गया। लेखक ने भारतीयों की बेबसी, दुख एवं लाचारी को व्यंग्यात्मक ढंग से लॉर्ड कर्जन की लाचारी से जोड़ने की कोशिश की है। साथ ही यह बताने की कोशिश की है कि शासन के आततायी रूप से हर किसी को कष्ट होता है चाहे वह सामान्य जनता हो या फिर लॉर्ड कर्ज़न जैसा वायसराय। यह निबंध भी उस समय लिखा गया है जब प्रेस पर पाबंदी का दौर चल रहा था। ऐसी स्थिति में विनोदप्रियता, चुलबुलापन, संजीदगी, नवीन भाषा-प्रयोग एवं रवानगी के साथ यह एक साहसिक गद्य का नमूना भी है।

(iii) लेखक ने मोहन के लखनऊ प्रवास को उसके जीवन का एक नया अध्याय कहा है क्योंकि यहाँ सब कुछ उसके लिए नया था। यहाँ आने पर उसका जीवन बँधी-बँधाई लीक पर चलने लगा था। वह सुबह से शाम तक नौकर की तरह काम करता था। नए वातावरण व काम के बोझ के कारण मेधावी छात्र की प्रतिभा कुंठित हो गई। उसके उज्वल भविष्य की कल्पनाएँ नष्ट हो गई। अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए उसे कारखानों और फैक्ट्रियों के चक्कर लगाने पड़े। उसे कोई काम नहीं मिल सका।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (5 X 2 = 10 अंक)

(i) भारतीय संगीत शास्त्र बहुत प्राचीन है। इसमें वैदिक काल से ही नाना प्रकार के प्रयोग होते रहे हैं। इतनी प्राचीन परंपरा होने के कारण उसका क्षेत्र भी बहुत विशाल हैं। इसके अतिरिक्त भारतीय संस्कृति भी बहुरंगी संस्कृति है। इसमें केवल भारतीय ही नहीं अपितु विदेशों से आने वाली संस्कृतियों का भी समावेश समय-समय पर होता रहा है। आज भी संगीत में नए-नए प्रयोग होते देखे जा सकते हैं। शास्त्रीय व लोकसंगीत की परंपरा आज भी निरंतर चल रही है, किंतु उनमें नाना प्रकार के प्रयोग करके संगीत को नया आयाम आज की फ़िल्मों में दिया जा रहा है। फ़िल्मों में गीत-संगीतकार श्रोता की रूचि के अनुसार कुछ न कुछ नयापन लाने की कोशिश करते आए है और कामयाब भी हुए है। आजकल के फ़िल्मी

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

संगीत पर भी यह बात लागू होती है। कभी इसमें पॉप संगीत का मिश्रण किया जाता है तो कभी सूफी संगीत का तथा कभी लोक संगीत का लोक संगीतों में भी अनेकानेक प्रांतों के संगीत को आधार बनाकर नए-नए गीतों की रचना कर उन पर संगीत दिया जाता है। इसका फ़िल्मकार लोग बहुत जोर-शोर से प्रचार भी करते हैं। इस प्रकार वर्तमान फ़िल्मी संगीत में भी नए प्रयोगों के माध्यम से संगीत का विस्तार हो रहा है।

(ii) राजस्थान में पानी के तीन रूप माने जाते हैं-

i. पालर पानी - वर्षा का वह जल जो बहकर नदी तालाब आदि में एकत्रित हो जाता है।

ii. पाताल पानी - जो वर्षा जल जमीन में नीचे धँसकर 'भूजल' बन जाता है। वह कुओं/ट्यूबबेल आदि द्वारा हमें प्राप्त होता है।

iii. रेजाणी पानी -रेजाणीपानी पालरपानी और पातालपानी के बीच पानी का तीसरा रूप है। यह धरातल से नीचे उतरता है, परंतु पाताल में नहीं मिलता। इस पानी को कुंई बनाकर ही प्राप्त किया जाता है। 'रेजा' शब्द का प्रयोग वर्षा की मात्रा नापने के लिए किया जाता है। यह माप धरातल में समाई वर्षा को नापता है। उदाहरण के लिए यदि मरुभूमि में वर्षा का पानी छह अंगुल रेत के भीतर समा जाए तो उस दिन की वर्षा को पाँच अंगुल रेजा कहेंगे।

(iii) तातुश के घर आने से पूर्व बेबी के बच्चे इधर-उधर भागते रहते थे। जरा-जरा-सी बात पर रोने-चिल्लाने लगते थे। उनका बड़ा लड़का तो घर छोड़कर ही चला गया था। बेवजह घूमने की-सी बाते करते थे, लेकिन अब वह सब नहीं करते थे। वे सारी आदतें छूट गई थीं। अब उनकी पढ़ाई भी अच्छी तरह से चल रही थी। कई के प्रश्न और प्रतिक्रियाएँ पहले नहीं होती थीं। इसका कारण यह था कि पहले घर-घर काम की तलाश या काम करती हुई घूमने वाली बेबी को अब अपने बच्चों के लिए समय मिलता था। बच्चों को भी अब अच्छा माहौल मिला था। वे स्कूल जाकर पढ़ाई करते और सभ्य लोगों को देखते और सुनते।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in